

लालबागचा राजा के दरबार पहुंचे शाहरुख खान, पत्नी व बेटी संग की आरती

बप्पा के चरणों में मत्था टेका, फूल अर्पित किए और भक्तिभाव से आरती में हुए शामिल

वंदे मातरम विवाद

मुंबई। एजेंसी। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर बॉलीवुड के 'किंग' शाहरुख खान अपने परिवार के साथ मुंबई के प्रसिद्ध लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान उनके साथ पत्नी गौरी खान, बेटी सुहाना खान और मेनेजर पूजा ददलानी भी नजर आईं। लालबागचा राजा के दरबार में पहुंचकर शाहरुख खान ने परिवार संग गणपति बप्पा के चरणों में मत्था टेका, फूल अर्पित किए और भक्तिभाव से आरती में शामिल हुए।

पारंपरिक परिधानों में पहुंचे इस परिवार को देखने के लिए पंडाल के आसपास प्रशंसकों की भारी भीड़ जमा हो गई। भीड़ के बीच शाहरुख अपनी पत्नी गौरी और बेटी सुहाना का ध्यान रखते हुए और उनका बचाव करते हुए आगे बढ़ते दिखे। दर्शन और आरती के बाद सुपरस्टार ने हाथ जोड़कर और हाथ हिलाकर वहां मौजूद अपने फैस



का मुस्कुराकर अभिवादन स्वीकार किया। शाहरुख खान हर साल अपने घर 'मन्नत' में

भी धूमधाम से गणेश चतुर्थी मनाते हैं और बप्पा का आशीर्वाद लेते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के सभी छह अंतर्ग (stanzas) को गाने को अनिवार्य बनाने और ऐसा न करने पर सजा के प्रावधान वाले कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से दो सप्ताह में जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने प्रसिद्ध कर्नाटक संगीतकार एवं मैग्सेसे पुरस्कार विजेता टी. एम. कृष्णा की याचिका पर यह सुनवाई की। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय गीत में कितने अंतरे गाए जाने चाहिए (दो या छह), यह तय करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया और सरकार का काम है। हालांकि, कोर्ट इस बात की समीक्षा करेगा कि इसे अनिवार्य करने और न गाने पर दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान कितना संवैधानिक है। पीठ ने 1986 के ऐतिहासिक 'बिजोय इमैनुएल बनाम केरल राज्य' फैसले का हवाला देते हुए कहा कि जो व्यक्ति अपनी अंतरात्मा या धार्मिक मान्यताओं (अनुच्छेद 25 और 26) के तहत इसे गाने में असमर्थ है, उसके खिलाफ कोई आपराधिक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. एस. मुरलीधर ने तर्क दिया कि 1937 से वंदे मातरम के केवल शुरुआती दो अंतर्ग को गाने की परंपरा रही है। अंतिम चार अंतर्ग में धार्मिक संदर्भ (हिंदू देवियों का उल्लेख) हैं। सभी छह अंतर्ग को अनिवार्य करना संविधान के धर्मनिरपेक्ष ढांचे और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के खिलाफ है। 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971' में संशोधन कर इसे न गाने या बाधा डालने पर 3 साल तक की जेल और जुर्माने का प्रावधान करने पर भी सवाल उठाए गए हैं। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ वकील डॉ. एस. मुरलीधर के बीच बहस भी हुई।

सिंगल खबरें...

विश्व राइनो दिवस मनाया

नई दिल्ली। पीआईबी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार विश्व राइनो दिवस के अवसर पर शानदार एक-सींग वाले राइनो की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसके संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाने वाले सभी लोगों की सराहना की। उन्होंने कहा कि असम में अब विश्व की लगभग 80 प्रतिशत राइनो की आबादी है और राइनो के अवैध शिकार को रोकने के लिए काजीरंगा के प्रयासों की व्यापक रूप से प्रशंसा की गई है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में राइनो या तो वापस आ गए हैं या अच्छी तरह से संरक्षित हैं, जबकि उत्तर प्रदेश के दुधवा में राइनो का सफल पुनर्वास इतिहास रच रहा है। उन्होंने कहा कि यह राइनो के संरक्षण और संबंधित राज्यों में सक्रिय वन्यजीव प्रबंधन के प्रति लोगों की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। देश में प्रजाति संरक्षण को आगे बढ़ाने के लिए, राइनो के संरक्षण, पर्यावास प्रबंधन, आनुवंशिक सुधार और जनसंख्या गतिकी को समझने के लिए संबंधित राज्यों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु प्रोजेक्ट राइनो शुरू किया। लिखा की 'विश्व राइनो दिवस पर, हम शानदार एक-सींग वाले राइनो की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हैं और इसके संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाने वाले सभी लोगों की सराहना करते हैं।'

25 से शुरू होगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा

कृषि पर केन्द्रित होंगी प्रदर्शनियां और कृषि के क्षेत्र में नवाचार व उपलब्धियों को मिलेगा सम्मान

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

भोपाल

मध्यप्रदेश के नागरिकों को सुलभ, सुरक्षित, आधुनिक एवं पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा प्रदेश सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। परिवहन विभाग की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' का 25 सितंबर 2026 को शुभारंभ होगा। भोपाल के दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुरुआती चरण में 351 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न शहरों के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करना, दैनिक यात्रियों को राहत पहुंचाना और पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत प्रदेश में लगभग 1500 बसें चलना शुरू हो जाएंगी। कार्यक्रम के दौरान 351 बसों को एक साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इसे दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इसमें 120 इंटरसिटी बसें हैं। ये बसें दो या दो से

अधिक शहरों के बीच आवागमन को सुगम और तीव्र बनाएंगी। 231 इंटरसिटी बसें शहरों के भीतर नागरिकों को सुरक्षित, सुलभ और सस्ती यात्रा सुविधा प्रदान करेंगी। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के अंतर्गत वर्ष 2031 तक 75 प्रतिशत ग्राम पंचायतों को बस सेवा से जोड़कर ग्रामीण कनेक्टिविटी को नई मजबूती दी जाएगी। प्रदेशभर में लगभग 15,000 से अधिक आधुनिक सार्वजनिक बसें संचालित की जाएंगी। इससे प्रतिदिन 30 लाख से ज्यादा यात्रियों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही 180 से अधिक

इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम से की जाएगी निगरानी

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के अंतर्गत संचालित बसों की निगरानी इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम से की जाएगी। इसके लिए मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एण्ड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड एवं उसकी 7 सहायक कंपनियों में अत्याधुनिक कमांड-कंट्रोल सेंटर स्थापित किए गए हैं। इन सेंटरों के माध्यम से बसों के संचालन, लोकेशन, समयबद्धता एवं अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों की रियल टाइम निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही सार्वजनिक बसों में महिला और बाल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इससे यात्री परिवहन व्यवस्था अधिक सुरक्षित,

351 बसों को दिखाई जाएगी हरी झंडी

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत प्रथम चरण में प्रदेश के 7 प्रमुख शहरों की बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इसमें इंदौर, भोपाल, जबलपुर, रीवा, देवास, कटनी और भिंड शामिल है। इंदौर में 145 बस, जिसमें 50 इंटरसिटी, 95 इंटरसिटी, भोपाल के लिए 106 बसें, जिसमें 23 इंटरसिटी, 83 इंटरसिटी, जबलपुर के लिए 67 बसें, जिसमें 14 इंटरसिटी, 53 इंटरसिटी। रीवा की 18 इंटरसिटी बस, देवास की 10 इंटरसिटी बस, कटनी की 3 और भिंड की 2 इंटरसिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

आधुनिक बस स्टैंड्स, टर्मिनल्स और डिपो का कार्यालय किया जाएगा। प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन

में कमी लाने के उद्देश्य से स्वच्छ ईंधन और इलेक्ट्रिक बसों के प्रयोग पर विशेष जोर दिया जाएगा।

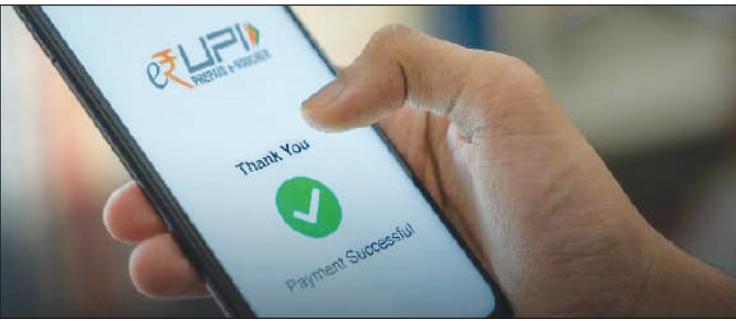
सुगम, पारदर्शी और प्रभावी बनाने में भी मदद मिलेगी। सभी बसों को 07 सीसीटीवी कैमरों, पैनिंग बटन और रियल-टाइम व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम से लैस किया जा रहा है। इसके अलावा, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, ड्राइवरों की तकनीकी ट्रेनिंग और त्वरित शिकायत निवारण तंत्र के जरिए सुरक्षित एवं समयबद्ध यात्रा सुनिश्चित की जाएगी। जन-निजी भागीदारी को गति देने के लिए पारदर्शी अनुबंध प्रणाली और प्रोत्साहन योजनाएं लागू की जाएगी। इस मॉडल से निजी बस ऑपरेटरों को राजस्व रिसाव रोकने, नॉन-फेयर रेवेन्यू (जैसे विज्ञापन व कार्गो सेवाएं) बढ़ाने और

आधुनिक डिपो व टर्मिनलों के उपयोग की सुविधाएं मिलेंगी साथ ही प्रशासन का पूर्ण सहयोग भी मिलेगा। प्रदेश में सुगम यात्री परिवहन सेवा शुरू होने से परिवहन क्षेत्र में रोजगार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। यात्री परिवहन के विस्तार से प्रदेश में बस संचालन, वाहन निर्माण, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी सेवाओं और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी। इससे परिवहन क्षेत्र से जुड़े उद्योगों को प्रोत्साहन मिलने के साथ युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

यूपीआई रहेगा पूरी तरह फ्री: वित्त मंत्री का बयान

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने डिजिटल पेमेंट पर अतिरिक्त शुल्क लगने की अफवाहों और विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि यूनिकाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) का इस्तेमाल करने वाले आम ग्राहकों से एक भी पैसा नहीं वसूला जाएगा। ग्राहकों के लिए यूपीआई से लेनदेन, क्यूआर कोड स्कैन करना या एक खाते से दूसरे खाते (P2P) में पैसे भेजना पूरी तरह मुफ्त रहेगा।

दरसल, दोस्तों या रिश्तेदारों को भेजे जाने वाले पैसे पर कोई सीमा या शुल्क नहीं है। किसी भी दुकान या मर्चेट को 2,000 रुपये तक का यूपीआई पेमेंट बिल्कुल मुफ्त रहेगा। बैंकों और यूपीआई ऐप्स को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि वे ग्राहकों पर कोई अतिरिक्त सरचार्ज या हिडन फीस न लगाएं। 2,000 रुपये से अधिक के मर्चेट ट्रांजेक्शन पर 0.4% तक एमडीआर (MDR) का प्रावधान किया गया है।



भुगतान कौन करेगा

तो वहीं जानकारी के अनुसार यह शुल्क केवल बैंकों, पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स और बड़े मर्चेट्स के बीच का आंतरिक चार्ज है, जिसे कारोबारी संभालेंगे; इसे ग्राहक से वसूलने पर पूर्ण प्रतिबंध है। प्रति माह 1 लाख तक डिजिटल पेमेंट प्राप्त करने वाले छोटे दुकानदारों और वेंडर्स को इस चार्ज से बाहर रखा गया है। इसके अलावा वित्त मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि यह न तो कोई टैक्स है और न ही उपकर (Cess)। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना, सर्वर डाउन होने की समस्या को कम करना और साइबर सुरक्षा को बेहतर बनाना है।

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

नई दिल्ली। एजेंसी। देश के सबसे प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2026' की घोषणा कर दी गई है। इस बार पुरस्कारों की सूची में दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गजों और बॉलीवुड के कलाकारों का शानदार दबदबा देखने को मिला। मलयालम सिनेमा के महानायक ममूटी और बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (Best Actor) का पुरस्कार अपने नाम किया है, वहीं अभिनेत्री यामी गौतम को उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री' (Best Actress) के राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया है। ममूटी और कार्तिक आर्यन ने रचा इतिहास अभिनय की दुनिया में दशकों से राज कर रहे ममूटी ने एक बार फिर अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है। वहीं दूसरी ओर, कार्तिक आर्यन के करियर के लिए यह पल बेहद खास

साबित हुआ है, जहाँ उन्हें पहली बार सिनेमा जगत के इस सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया जा रहा है। दोनों कलाकारों को उनके किरदारों में गहराई और शानदार अभिनय प्रदर्शन के लिए यह संयुक्त सम्मान दिया गया है।

अभिनय सफर के लिए बड़ा मुकाम

यामी गौतम का दमदार और संवेदनशील अभिनय कंटेंट आधारित फिल्मों के जरिए अपनी अलग पहचान बनाने वाली यामी गौतम के लिए यह जीत उनके अभिनय सफर का सबसे बड़ा मुकाम है। पर्दे पर उनके संवेदनशील और सशक्त प्रदर्शन ने जूरी के साथ-साथ दर्शकों का भी दिल जीत लिया। घोषणा के बाद से ही फिल्म इंडस्ट्री और सोशल मीडिया पर तीनों कलाकारों को फैस और सह-कलाकारों की ओर से बधाइयों का तांता लगा हुआ है।

भारत की सिर्फ शून्य ही देन नहीं, ज्ञान भी देश की अमूल्य धरोहर

बिहार से आए 16 सदस्यीय इंप्लूएंसर दल ने उच्च शिक्षा मंत्री से की सौजन्य भेंट

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

इंदौर

विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत बिहार से मध्यप्रदेश भ्रमण पर आए 16 सदस्यीय इंप्लूएंसर दल ने सोमवार की शाम इंदौर में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मंत्री परमार ने दल के सदस्यों से संवाद कर उनकी मध्यप्रदेश यात्रा के अनुभव, भ्रमण किए गए स्थलों और प्रतिक्रियाओं की जानकारी ली।

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि भारत की दुनिया को केवल शून्य की देन ही नहीं है, बल्कि हमारी समृद्ध ज्ञान परंपरा भी देश की अमूल्य धरोहर है। नालंदा, गया और चंपारण जैसे क्षेत्र भारतीय संस्कृति, ज्ञान और परंपराओं की समृद्ध विरासत के प्रतीक हैं। मध्यप्रदेश और बिहार के बीच सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक समानताएं दोनों राज्यों को एक-दूसरे से जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में 'विकास भी, विरासत भी' के विजन के साथ प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में कार्य किया जा रहा है। विकास के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन



पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सभी वर्गों के कल्याण और सतत विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। बिहार से आए इंप्लूएंसर दल के सदस्यों ने मध्यप्रदेश भ्रमण के अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनकी यात्रा बेहद सुगम और ज्ञानवर्धक रही। दल ने उज्जैन में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, काल भैरव, सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना, हरियाखेड़ी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, कान्ह डायवर्जन क्लोज्ड डकट टनल परियोजना, विक्रम उद्योगपुरी, वेधशाला एवं वैदिक घड़ी सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण किया। दल के सदस्यों ने बताया कि इन स्थलों

के माध्यम से उन्हें मध्यप्रदेश की आध्यात्मिक विरासत, सांस्कृतिक परंपराओं, आधुनिक अधोसंरचना और विकास की दिशा को करीब से समझने का अवसर मिला। उन्होंने 20 सितंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हुई सौजन्य भेंट को भी यादगार अनुभव बताया। मुख्यमंत्री से संवाद और मध्यप्रदेश के विकास एवं विरासत से परिचित होने का अवसर उनकी यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। मंत्री श्री परमार ने बिहार और मध्यप्रदेश के बीच सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों प्रदेशों की परंपराओं में अनेक समानताएं हैं। चंपारण, महर्षि वाल्मीकि

गीत-संगीत कार्यक्रम आयोजित

केन्द्रीय जेल इन्दौर के सभागृह में रांग राग म्यूजिकल ग्रुप एंड आर्ट फाउण्डेशन द्वारा गीत-संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में रांग राग म्यूजिकल ग्रुप एंड आर्ट फाउण्डेशन से संचालक सुमीत शर्मा, योगेश मालानी, उदय पांडे, योगेश आनन्द उपस्थित हुये, जिनके द्वारा विभिन्न प्रकार के मनमोहक गीत गाकर बंदियों को मनोरंजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय जेल इन्दौर के जेल अधीक्षक श्री दिनेश नरगावे के मार्गदर्शन एवं उप जेल अधीक्षक श्री इन्दरसिंह नागर, वरिष्ठ परिवीक्षा एवं कल्याण अधिकारी श्री अभिषेक दांगी, सहायक जेल अधीक्षक सुश्री सोनम बंडोरे की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम के दौरान जेल अधीक्षक नरगावे, सहायक जेल अधीक्षक सोनम बंडोरे सहित जेल में निरूद्ध बंदियों ने भी गीत कि प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में कुल 171 बंदियों द्वारा सहभागिता कि गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों के मन को हर्षोत्साहित कर शांत रखने हेतु उनका मनोरंजन करना।

की परंपरा और भारतीय ज्ञान संस्कृति दोनों प्रदेशों की साझा विरासत से जुड़े महत्वपूर्ण संदर्भ हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी यात्राएं देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, परंपराओं और विकास मॉडल को समझने का अवसर देती हैं। इंप्लूएंसर दल द्वारा अपने अनुभवों को देशभर के लोगों तक पहुंचाने से मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और विकास की तस्वीर को व्यापक स्तर पर साझा करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर मंत्री परमार ने उज्जैन की वैदिक घड़ी की विशेषताओं की जानकारी भी इंप्लूएंसर दल के सदस्यों को दी। उन्होंने भारतीय कालगणना, खगोलीय ज्ञान और प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक

परंपरा में उज्जैन के महत्व पर प्रकाश डाला। इंप्लूएंसर दल के सभी सदस्यों ने अपना परिचय दिया और मध्यप्रदेश में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की यात्रा ने उन्हें विकास के साथ प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को समझने का अवसर दिया है। उपाध्यक्ष संजीव ककर, सुमित मिश्रा, हितेश नागदेव, अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ संजय तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इंप्लूएंसर दल के अमित कुमार, कृष्णमुरारी, गौतम कुमार, संतोष कुमार, दीपक कुमार, दुर्गेश कुमार, शिवानी कुमारी, मुस्कान कुमारी, अंकित कुमार सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

अग्नि सुरक्षा, ध्वनि नियंत्रण और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था के निर्देश

खराब एवं फटी साड़ियों की शिकायत पर उपभोक्ता को वापस मिली पूरी राशि

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

इंदौर

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर कलेक्टोरेट स्थित उपभोक्ता मार्गदर्शन केन्द्र में उपभोक्ता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए खरीदी गई खराब एवं फटी साड़ियों की पूरी राशि वापस दिलाई गई।

जिला आपूर्ति नियंत्रक एवं उपभोक्ता मार्गदर्शन केन्द्र के नोडल अधिकारी एम.एल. मारू ने बताया कि नंदिनी साहू ने राज लक्ष्मी साड़ी, दुकान क्रमांक 77, एम.टी. क्लॉथ मार्केट, इंदौर से कुल 17 साड़ियां खरीदी थीं। इसके लिए उन्हें 11 सितंबर 2026 को बिल क्रमांक 1724 के माध्यम से 2,640 रुपये तथा 12 सितंबर 2026 को बिल क्रमांक 1730 के माध्यम से 1,100 रुपये का भुगतान किया गया था। इस प्रकार कुल 3,740 रुपये की साड़ियों की खरीदी की गई थी। उपभोक्ता का आरोप था कि दुकान से साड़ियां खरीदते समय उन्हें साड़ियां चेक करने का अवसर नहीं दिया गया। घर पहुंचकर जब उन्होंने सभी 17 साड़ियों को देखा तो उनमें कई साड़ियां खराब एवं फटी हुई मिलीं। इसकी शिकायत उन्होंने दुकान



संचालक एवं प्रबंधक से की, शिकायत का उचित निराकरण नहीं होने तथा दुर्व्यवहार किए जाने के बाद उन्होंने कलेक्टोरेट स्थित खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के उपभोक्ता मार्गदर्शन केन्द्र में संपर्क किया।

संचालक को भी सुना

एम.एल. मारू द्वारा उपभोक्ता एवं राज लक्ष्मी साड़ी आउटलेट के संचालक को समक्ष में सुना गया। सुनवाई के बाद दुकान संचालक द्वारा उपभोक्ता नंदिनी साहू को साड़ियों की खरीदी के लिए भुगतान की गई पूरी राशि

3,740 रुपये वापस लौटा दी गई। स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठन अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांतीय सचिव डी.जी. मिश्रा तथा अखिल भारतीय उपभोक्ता कांग्रेस के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष आर.के. शुक्ला ने क्रेता एवं विक्रेता को आवश्यक कानूनी सलाह भी दी। उल्लेखनीय है कि कलेक्टोरेट स्थित उपभोक्ता मार्गदर्शन केन्द्र, कक्ष क्रमांक 220 में प्रत्येक मंगलवार उपभोक्ताओं से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की जा रही है। 300 से अधिक उपभोक्ता शिकायतों की सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण किया जा चुका है।

रबी सीजन की तैयारियों को लेकर कृषि विभाग की समीक्षा बैठक ली

विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की



स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

आलीराजपुर

कलेक्टर नीतू माथुर की अध्यक्षता में कलेक्टर कक्ष में कृषि एवं संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में रबी सीजन की तैयारियों, खाद-बीज की उपलब्धता, प्राकृतिक खेती, उद्यानिकी एवं पशुपालन गतिविधियों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि रबी सीजन में किसानों को खाद-बीज की कमी न हो, इसके लिए पर्याप्त मात्रा में अग्रिम भंडारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कुसुम, सरसों एवं चना जैसी कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों को बढ़ावा देने तथा किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश

दिए। उन्होंने प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने, अमानक कृषि आदान एवं दवाइयों की बिक्री पर प्रभावी निगरानी रखने तथा नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। उद्यानिकी फसलों के बलस्टर एवं इंटरक्रॉपिंग को बढ़ावा देने, पशुओं के टीकाकरण का दायरा बढ़ाने और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए आवश्यक प्रयास करने को कहा। बैठक में सहकारी संस्थाओं की समीक्षा करते हुए डिफॉल्टर कृषकों की सूची तैयार कर चस्पा करने तथा नियमानुसार बकाया राशि की वसूली के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने अधिकारियों को नियमित मैदानी भ्रमण कर किसानों की समस्याओं का समय पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान पशुपालन, उद्यानिकी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

चित्रकला कार्यशाला का शुभारंभ

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

इंदौर

युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार, इनोवेशन एवं अग्रेन्टिसिप के अवसर एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय इंदौर द्वारा 29 सितम्बर को एक दिवसीय “युवा संगम” रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नन्दानगर इन्दौर में प्रातः 10.30 से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। मेले में युवाओं को रोजगार के साथ-साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु ऋण प्रक्रिया एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। उप संचालक रोजगार पी. एस. मंडलोई ने बताया कि मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनियाँ भाग लेंगी। अपाल्टो प्रायवेट लिमिटेड, गरूड़ गति एलएलपी, टीसीआईएल, जेजे

इंडस्ट्रिज, लाल पैथलैक्स फाउंडेशन, श्याम टाटा मोटर्स आदि के 800 से अधिक रिक्त पदों के प्रारंभिक चयन हेतु उपस्थित रहेंगी। ऑफिस बॉय, कस्टमर सपोर्ट एजीक्यूटिव, बैंक ऑफिस एसोसिएट, एचआर इंटरन, सेल्स ऑफिसर, रिलेशनशिप मैनेजर, एडमिन कोऑर्डिनेटर, वीडियो एडिटर, स्टिचिंग ऑपरेटर, प्रेसमैन, कटिंग ऑपरेटर, पैकिंग स्टाफ, एजीक्यूटिव लॉजिस्टिक्स, मशीन ऑपरेटर, सीएनसी ऑपरेटर, बीएमसी/सीएमसी ऑपरेटर, प्रेस ऑपरेटर, वेल्डिंग ऑपरेटर, टूल रूम ऑपरेटर, इलेक्ट्रिकल पद, मार्केटिंग एजीक्यूटिव, सोर्सिंग ऑफिसर, काउंसलर, मोबिलाइजर, ट्रेनर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रीशियन, प्रोडक्शन इंजीनियर, वेल्डर, वेयरहाउस एसोसिएट, फैक्ट्री हेल्पर तथा कस्टमर केयर एजीक्यूटिव सहित फिटर, टर्नर, मशीनिंग आदि के विभिन्न पदों हेतु आकर्षक वेतन पर रोजगार प्रदान करने हेतु कम्पनियों के प्रतिनिधि चयन करेंगे।

जननी सुरक्षा एवं प्रसूति सहायता योजना बनी रजनी के परिवार का सहारा

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

खंडवा

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के लिए आर्थिक संबल का माध्यम बन रही हैं। खंडवा विकासखंड के ग्राम बड़गांव गुर्जर निवासी रजनी चौहान के लिए जननी सुरक्षा योजना एवं मुख्यमंत्री प्रसूति सहायता योजना कठिन समय में मददगार साबित हुई। इन योजनाओं के तहत उन्हें कुल 16 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है।

रजनी चौहान ने बताया कि गर्भावस्था के दौरान गांव के शासकीय स्वास्थ्य केंद्र में उनकी नियमित जांचें निःशुल्क की गईं। प्रसव का



समय आने पर उन्हें 108 एम्बुलेंस के माध्यम से जिला चिकित्सालय खंडवा पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा आवश्यक उपचार और देखभाल की गई। रजनी ने बताया कि जांच, दवाइयों एवं प्रसव सहित स्वास्थ्य सेवाएं उन्हें निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं और उन्होंने स्वस्थ बेटी को जन्म

दिया। अस्पताल से छुट्टी के बाद रजनी और उनकी नवजात बेटी को 108 एम्बुलेंस के माध्यम से सुरक्षित घर तक पहुंचाया गया। इसके बाद योजना के तहत उनके बैंक खाते में 16 हजार रुपये की सहायता राशि अंतरित की गई। रजनी चौहान ने बताया कि इस आर्थिक सहायता से उन्हें अपनी और नवजात बेटी के लिए पौष्टिक आहार तथा आवश्यक दवाइयां खरीदने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं से उन्हें प्रसव के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ आर्थिक सहायता भी मिली, जिससे परिवार को काफी राहत मिली। रजनी चौहान ने जननी सुरक्षा एवं प्रसूति सहायता योजनाओं का लाभ मिलने पर आभार माना।

दैनिक

स्वतंत्र लोकतंत्र

नई सोच-नया लोकतंत्र

बिजली बिल नहीं चुकाए तो 18 पंचायतों के नल-जल कनेक्शन कटे, गांवों में सूखे नल

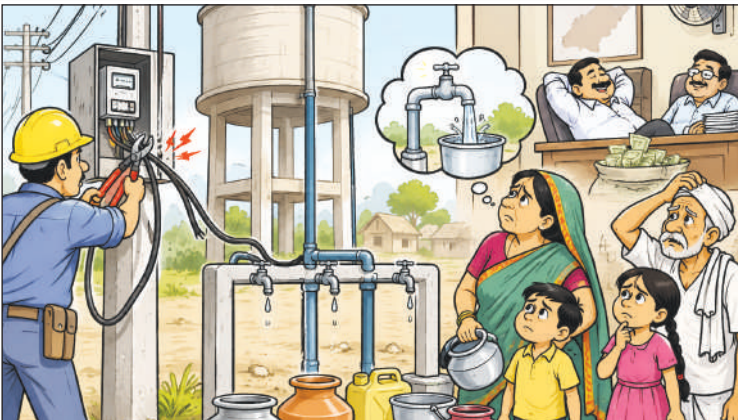
2 करोड़ से ज्यादा की देनदारी, मार्च से अब तक सिर्फ 22-24 लाख रुपए जमा

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

बड़वानी

गांवों में घर-घर पानी पहुंचाने के लिए शुरू की गई नल-जल योजनाओं का संचालन अब पंचायतों के लिए चुनौती बन गया है। जलकर की कमजोर वसूली और बिजली बिलों का नियमित भुगतान नहीं होने से जिले की 18 ग्राम पंचायतों पर 2 करोड़ रुपए से अधिक की देनदारी हो गई। बकाया वसूली के लिए मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने इन पंचायतों की नल-जल योजनाओं के बिजली कनेक्शन अवरोधित कर दिए।

कनेक्शन बंद होते ही कई गांवों में जलापूर्ति प्रभावित हुई और ग्रामीणों के सामने पेयजल संकट खड़ा हो गया। मंगलवार शाम तक कुछ पंचायतों द्वारा राशि जमा कराने अथवा भुगतान का आश्वासन देने के बाद उनके



कनेक्शन फिर जोड़ दिए गए। बिजली कंपनी की कार्रवाई की जद में भवती, बिजासन, अवल्दा, सौन्दुल, पिठौड़ी, कल्याणपुरा, बोम्या, भीलकुंडा, कसरावद, आमल्यापानी, बड़वानी खुर्द, बड़गांव, सजवानी, धमनई,

रेहगुन, बालकुआ, करी और पिपलाज ग्राम पंचायतें शामिल हैं। इनमें से कुछ पंचायतों ने मंगलवार शाम तक बकाया राशि जमा कराई। कुछ ने भुगतान का आश्वासन दिया, जिसके बाद संबंधित कनेक्शन बहाल किए गए।

2 करोड़ से ज्यादा बकाया, वसूली हुई सिर्फ 22-24 लाख

बिजली कंपनी के स्वप्निल डार के अनुसार पंचायतों को लंबे समय से बकाया बिजली बिल जमा करने के लिए सूचना और नोटिस दिए जा रहे थे। भुगतान नहीं होने पर कनेक्शन अवरोधित करने की कार्रवाई की गई। मार्च से अब तक बकाया राशि में से करीब 22 से 24 लाख रुपए ही जमा हुए हैं। विद्युत कंपनी के अनुसार मार्च 2025 में शासन स्तर से आरटीजीएस के माध्यम से पंचायतों के जलकर से संबंधित बिजली बिलों का भुगतान किया गया था। इसके बाद पंचायतों को उपभोक्ताओं से जलकर वसूलकर बिजली बिल का भुगतान करना था। नियमित जलकर वसूली नहीं होने से पंचायतों पर बिजली बिलों का बकाया बढ़ता गया।

बड़गांव पर 31.60 लाख बकाया, 1.41 लाख जमा

जिला मुख्यालय से लगी बड़गांव पंचायत पर करीब 31.60 लाख रुपए बिजली बिल बकाया है। पंचायत सचिव सुरेंद्र अगल्चा के अनुसार गत माह पंचायत ने 1.41 लाख रुपए बिजली कंपनी में जमा किए हैं। उनका कहना है कि कई उपभोक्ताओं से जलकर समय पर नहीं मिलने के कारण पंचायत को बिल जमा करने में परेशानी हो रही है। कनेक्शन प्रभावित होने से गांव की जलापूर्ति पर भी असर पड़ा। विद्युत कंपनी के कार्यपालन यंत्री कैलाश चोपड़ा के अनुसार नल-जल योजनाओं के बिजली बिल जमा नहीं करने वाली पंचायतों के कनेक्शन अवरोधित करने की प्रक्रिया जून से चल रही है। पंचायतों द्वारा राशि जमा कराने या भुगतान का आश्वासन देने पर परिस्थितियों के अनुसार कनेक्शन दोबारा जोड़े जा रहे हैं।

कपास की फसल के बीच गांजे की खेती करने वाला आरोपी गिरफ्तार

176 नग गांजे के हरे पौधे वजनी 35 किलो 900 ग्राम जब्त

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

बेड़िया

पुलिस ने कपास की फसल के बीच गांजे की खेती करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वहीं मामले में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है।

थाना बेड़िया पर पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, पाल्या फालिया ग्राम बाल्या के रहने वाले सकाराम ने अपने खेत में कपास की फसल के बीच भारी संख्या में अवैध मादक पदार्थ गांजे के पौधे लगाये हुए है। प्राप्त मुखबिर की सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया जिनके निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पुलिस टीम का गठन कर मुखबिर की सूचना से अवगत करवा कर थाना प्रभारी बेड़िया निरीक्षक रामेश्वर ठाकुर के नेतृत्व में थाना बेड़िया से पुलिस टीम का गठन कर टीम को मुखबिर की सूचना से अवगत करवाकर सकाराम के खेत में दबिश देकर नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित कर रवाना किया गया। पुलिस टीम के द्वारा पाल्या फालिया ग्राम बाल्या में सकाराम के खेत में दबिश दी गई जहां एक व्यक्ति खेत की रखवाली करता हुआ मिला जिसे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकड़ा।



पकड़ में आए व्यक्ति से उसका नाम पता पछुने पर उसने अपना नाम सकाराम निवासी ग्राम पाल्या फालिया ग्राम बाल्या का होना बताया। पुलिस टीम के द्वारा सकाराम के खेत में सर्चिंग करने के दौरान टीम को उसके खेत में कपास की फसल के बीच हरे गांजे के पौधे लगे दिखाई दिए। पुलिस टीम के द्वारा मौके पर से कुल 176 नग गांजे के हरे पौधे वजनी 35 किलो 900 ग्राम कीमती लगभग 2,88,000/- रुपये को नियमानुसार विधिवत जप्त कर आरोपी सकाराम निवासी ग्राम पाल्या फालिया ग्राम बाल्या के विरुद्ध थाना बेड़िया पर अपराध क्रमांक 277/2026 धारा 8/20 एन.डी.

पी.एस. एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। कार्रवाई में एसडीओपी अर्चना रावत, थाना प्रभारी रामेश्वर ठाकुर के नेतृत्व में उनि. हरिप्रसाद पाल, उनि. आत्माराम आश्वारे, उनि. दिनेश भगोरे, सउनि.नहारसिंह सेमले, सउनि. मेहबूब खान, प्रआर. अनिल परिहार, प्रआर. शेख समीर, प्रआर राकेश मोरे, प्रआर रविन्द्र राठौड़, प्रआर अनिल किराड़े, प्रआर कैलाश चौहान, आर. दुलेशसिंह, आर. सुरेन्द्र यादव, आर. अरविंद, आर. संतोष, मआर. स्वाती बेला, मआर. निकिता बघेल व थाना बेड़िया के अन्य पुलिस स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

एनडीपीएस एक्ट के दो फरार इनामी आरोपी गिरफ्तार

एक-एक हजार रुपए का इनाम किया था घोषित



स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

मंदसौर

फरार इनामी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत शामगढ़ पुलिस ने NDPS एक्ट के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मंदसौर विनोद कुमार मौना के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोट राम सनेही मिश्रा एवं एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार थाना शामगढ़ के अपराध

क्रमांक 124/26, धारा 8/15/26 NDPS एक्ट में आरोपी भारत सिंह पिता कालू सिंह, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम आमली तथा बनवारी पिता मुकेश व्यास, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम आमली घटना के बाद से फरार चल रहे थे। जानकारी के अनुसार दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक मंदसौर द्वारा प्रत्येक पर 1-1 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस टीम ने 22 सितंबर 2026 को दोनों फरार इनामी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई में थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय, उनि ओमप्रकाश राठौर, आरक्षक प्रेम कुमार, मोकम सिंह, धर्मेश बैरागी, विशाल चौहान एवं राहुल पांचाल का सराहनीय योगदान रहा।

मोक्षदायिनी श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

स्वतंत्र लोकतंत्र। इंदौर। पितृपक्ष के पावन अवसर पर दिवंगत आत्माओं की शांति एवं पुण्य स्मरण के उद्देश्य से मोक्षदायिनी श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कथा आरएसएस एवं भाजपा से जुड़े वरिष्ठ जनसेवकों, देश की सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले सैनिकों एवं पुलिसकर्मियों, वीर शहीदों तथा पत्रकारों की श्रद्धांजलि स्वरूप समर्पित की गई है। आयोजन का उद्देश्य दिवंगत पुण्यात्माओं का स्मरण करते हुए सनातन धर्म की आध्यात्मिक परंपराओं और श्रीमद्भागवत के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। कथा का शुभारंभ 24 सितंबर दोपहर 3 बजे से होगा। इसके बाद प्रतिदिन कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा में श्रीमद्भागवत के महत्व, भगवान की भक्ति, धर्म, संस्कार, सेवा और जीवन के आध्यात्मिक मूल्यों पर कथा व्यास आचार्य श्री मनीष महाराज जी, श्रीधाम वृंदावन द्वारा श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन के संरक्षक कैलाश विजयवर्गीय जी एवं आयोजक मनीष शर्मा (मामा) हैं। अधिक से अधिक संख्या में कथा में शामिल होकर दिवंगत पुण्यात्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने तथा श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करें।

श्री हरिद्रा गणेश धाम में 10 दिनी उत्सव एवं रथ यात्रा महोत्सव

स्वतंत्र लोकतंत्र। इंदौर। सिरपुर स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री हरिद्रा गणेश धाम में चल रहे 10 दिवसीय उत्सव एवं रथ यात्रा महोत्सव के अंतर्गत भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। भगवान श्री हरिद्रा गणपति भव्य रथ पर आरूढ़ होकर भक्तों को दर्शन देंगे। रथ यात्रा के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। आयोजन को लेकर मंदिर परिसर और सिरपुर क्षेत्र में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। यात्रा में बैंड-बाजे के साथ श्रद्धालु भक्ति और उत्साह के साथ शामिल होंगे। महिलाओं की भी बड़ी संख्या में सहभागिता रहेगी, जबकि युवा यात्रा की व्यवस्थाओं और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इंदौर शहर के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी रथ यात्रा में शामिल होंगे। रथ यात्रा सिरपुर से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों से निकलेगी। यात्रा के मार्ग में अनेक स्थानों पर स्वागत मंच बनाए जाएंगे, जहां श्रद्धालुओं एवं आयोजकों का स्वागत किया जाएगा। यात्रा की व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए करीब 40 वालंटियर तैनात रहेंगे। श्री हरिद्रा गणेश धाम के पुजारी पंडित बांके बिहारी शास्त्री (छोटे ठाकुर जी) के मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। आयोजन में भाजपा प्रदेश महामंत्री रानू अग्निहोत्री, भागवती शर्मा, माखन चौधरी, लखन सिंह, अंकुर शर्मा, नितिन पटेल, अंकित परमार सहित बड़ी संख्या में सिरपुर के रहवासी एवं श्रद्धालु सहभागी रहेंगे। रथ यात्रा के दौरान भगवान हरिद्रा गणपति के दर्शन और झांकियों के साथ पूरा सिरपुर क्षेत्र भक्ति के रंग में रंगा नजर आएगा। आयोजकों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से रथ यात्रा में शामिल होकर भगवान श्री हरिद्रा गणेश के दर्शन एवं महोत्सव में सहभागी बनने का आह्वान किया है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी आमजनों की समस्याएं, इस बार 77 आवेदन प्राप्त हुए

समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता
धार

कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों को गंभीरतापूर्वक सुनी और संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। 77 आवेदन प्राप्त हुए।

कलेक्टर मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है तथा प्रत्येक आवेदन पर नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि जिन प्रकरणों में तत्काल कार्यवाही संभव है, उनमें त्वरित निराकरण किया जाए। साथ ही ऐसे प्रकरण जिनमें अन्य विभागों से समन्वय की आवश्यकता हो, उनमें संबंधित विभागों से समन्वय कर आवेदकों को राहत प्रदान की जाए। कलेक्टर ने लंबित आवेदनों की नियमित समीक्षा करने तथा निराकरण की स्थिति से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश भी दिए। जनसुनवाई में मुख्य रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, संबल योजना का लाभ दिलवाने, कुम्हारों को ईट निर्माण हेतु शासकीय भूमि का प्रमाण पत्र प्रदाय करने, पट्टा प्रदाय करने, शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने, भूमि का सीमांकन



करने, भू-अर्जन अधिग्रहित भूमि का मुआवजा राशि दिलवाने, बीमारी हेतु आर्थिक सहायता राशि प्रदाय करने, भूमि पर आने-जाने का रास्ता खुलवाने, निजी भूमि पर अतिक्रमण करने, कोटवार का वेतन बढ़ाने, सेवानिवृत्ति पश्चात क्लेमों का भुगतान करने, आंगनवाड़ी में फर्जी नियुक्ति करने, लोन माफ करने, मजदूरी की राशि का भुगतान करने, अनुकंपा नियुक्ति दिलवाने, खनिज खदान की लीज निरस्त करने, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के मकानों को फ्रीहोल्ड करने के संबंध में, कृषि भूमि का आपसी बटवारा करने, खाद्यान्न सामग्री नहीं मिलने, मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता प्रदाय करने, फर्जी पौती नामांतरण करवाने, अवैध खनन रोकने, किसान सम्मान निधि चालू करने, अतिथि शिक्षक की नियुक्ति करने सहित विभिन्न समस्याओं तथा मांगों संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्राप्त

समस्त आवेदनों का एक निश्चित समय-सीमा के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी आवेदक को अपनी बुनियादी समस्याओं के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित से जुड़े मामलों का संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है तथा प्रत्येक आवेदन पर नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अखिलेश कुमार जैन ने भी आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुना और उनके न्यायोचित व वैधानिक समाधान के संबंध में संबंधित दिशा निर्देश दिए।

संपादकीय....

यूपीआई पर शुल्क का पेच

भारत में डिजिटल पेमेंट की रीढ़ बन चुके यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने देश की बैंकिंग प्रणाली, व्यापार और आम नागरिक की दैनिक जीवनशैली को पूरी तरह बदल दिया है। सब्जी के ठेले से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल तक, 'स्कैन एंड पे' हमारी आदत बन चुका है। ऐसे में जब भी यूपीआई लेनदेन पर किसी भी प्रकार के शुल्क या मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) की बात उठती है, तो एक नया विवाद जन्म लेता है। क्या यह शुल्क सुविधाओं के विस्तार और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए जरूरी है, या फिर यह केशलेस अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते आम उपभोक्ता पर एक अतिरिक्त बोझ है?। भारत में यूपीआई की सफलता का सबसे बड़ा कारण इसका सरल, त्वरित और पूरी तरह से निःशुल्क होना रहा है। बिना किसी अतिरिक्त चार्ज के छोटे-से-छोटे भुगतान की सुविधा ने करोड़ों लोगों को पहली बार औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा। नकद रखने का जोखिम खत्म हुआ और लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड रखना आसान हो गया। रेहड़ी-पटरी वालों और छोटे दुकानदारों ने बिना किसी महंगे पीओएस (POS) मशीन के डिजिटल भुगतान स्वीकार करना शुरू किया। सुविधाओं का विस्तार और नेटवर्क की मजबूती? वित्तीय विशेषज्ञों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स (PSPs) का तर्क है कि एक मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को बिना किसी राजस्व (Revenue) के लंबे समय तक चलाना व्यावहारिक नहीं है। शुल्क लगाने के पक्ष में मुख्य तर्क है कि करोड़ों दैनिक लेन-देन को बिना किसी सर्वर डाउनटाइम के संभालने के लिए भारी साइबर सुरक्षा, उन्नत सर्वर और निरंतर अपडेट्स की आवश्यकता होती है। डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को देखते हुए पेमेंट सिस्टम को सुरक्षित बनाने के लिए लगातार निवेश जरूरी है। गूगल पे, फोनपे, पेटीएम जैसी कंपनियां और बैंक लंबे समय तक बिना कमाई के सेवाएं नहीं दे सकते। इंफ्रास्ट्रक्चर लागत निकालने के लिए एक संतुलित शुल्क मॉडल आवश्यक माना जा रहा है। दूसरी ओर, उपभोक्ताओं और अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यूपीआई पर किसी भी प्रकार का शुल्क लगाने से डिजिटल इंडिया के मूल उद्देश्य को झटका लग सकता है। यदि यूपीआई महंगा होता है, तो आम लोग और छोटे व्यापारी दोबारा नकद (Cash) व्यवहार को प्राथमिकता देने लगेगे। भारत में यूपीआई का बड़ा हिस्सा 10 से 500 तक के छोटे भुगतानों का है। इन पर किसी भी तरह का शुल्क मध्यम और निम्न आय वर्ग के लिए बोझ बनेगा। डिजिटल माध्यमों को अपनाने में काफी समय लगा है। शुल्क का डर लोगों को फिर से पारंपरिक और असुरक्षित तरीकों की ओर धकेल सकता है। सरकार और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) को इस मुद्दे पर एक ऐसा मध्यमार्ग अपनाना होगा, जिससे न तो फिनटेक कंपनियों का नुकसान हो और न ही आम जनता पर बोझ पड़े। आम उपभोक्ताओं के दैनिक और छोटे लेन-देन (जैसे 2,000 से कम) को पूरी तरह शुल्क-मुक्त रखा जाना चाहिए। उच्च मूल्य के व्यावसायिक भुगतानों या क्रेडिट कार्ड के माध्यम से होने वाले यूपीआई भुगतान पर ही सीमित एमडीआर (MDR) लागू किया जाए। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और साइबर सुरक्षा के लिए सरकार को वित्तीय सहायता जारी रखनी चाहिए, ताकि आम नागरिकों पर इसका सीधा प्रभाव न पड़े। यूपीआई केवल एक भुगतान प्रणाली नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल संप्रभुता का प्रतीक है। सुविधाओं को बेहतर बनाने और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए राजस्व मॉडल जरूरी हो सकता है, लेकिन यह विकास आम उपभोक्ता की जेब काटकर नहीं होना चाहिए।

जनसुनवाई का हुआ आयोजन



स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता
आलीराजपुर

जिला कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। जनसुनवाई कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर नीतू माथुर ने आमजन की शिकायतें सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान कुल 40 आवेदन प्राप्त हुए। ग्राम भीमबयड़ा के निवासी वडदा पिता मूरखा सोलंकी ने राशन नहीं मिलने की समस्या को

लेकर आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि मुझे पूर्व में शासकीय उचित मूल्य की दुकान से पात्रतानुसार राशन प्राप्त होता था। परन्तु विगत एक वर्ष से मुझे राशन प्राप्त नहीं हो रहा है, जिसके कारण मुझे और मेरे परिवार को खाद्यान्न की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। मुझे पात्रतानुसार राशन उपलब्ध करवाया जाए। कलेक्टर ने जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी को आवेदन की जांच कर उचित निराकरण करने के निर्देश दिए। ग्राम हरदासपुर तहसील जेबट निवासी मनीषा पिता जबरिया वास्कुला ने शासकीय हैडपंप पर अनावेदकगण द्वारा मोटर डालकर सिंचाई किए जाने तथा ग्रामीणों को पेयजल भरने से रोकने संबंधित आवेदन दिया।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं

निराकरण के लिए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता
खंडवा

कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं, और उनके निराकरण के लिए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऐश्वर्य वर्मा, अपर कलेक्टर श्रद्धा शुक्ला, अपर कलेक्टर क्षितिज शर्मा, अपर कलेक्टर अरविंद चौहान एवं अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

इस दौरान जनसुनवाई में आवेदक छन्नू पिता नंदु मंसुरी निवासी छैगांवमाखन ने आवेदन देकर बताया कि कृषि भूमि पर भू-स्वामी द्वारा प्लाट काटे गए हैं एवं ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत द्वारा सीसी सड़क और नाली निर्माण इस भूमि पर किया जा रहा है, जो कि न्याय संगत नहीं है। जिस पर कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालिका अधिकारी



को मामले की जांच कर समस्या का निराकरण करने के लिए कहा है। आवेदक परमु पिता शंकर निवासी ईटवा रैयत ने आवेदन देकर कहा कि जिला सहकारी बैंक शाखा बलवाड़ा के कर्मचारियों द्वारा बिना सूचित किया फर्जी साइन कर किसी अन्य व्यक्ति को खाद बेच दिया है इसकी जानकारी मुझे नहीं है जिला सहकारी बैंक के कर्मचारियों द्वारा उनके साथ धोखाधड़ी की गई है। जिस पर कलेक्टर गुप्ता ने संबंधित अधिकारी को जांच कर समस्या

का समाधान करने के निर्देश दिए हैं। नहल्ला पंचायत के ग्राम भंडारिया के ग्राम वासियों ने आवेदन देकर बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा सार्वजनिक उपयोग के लिए शासकीय निधि से एक बोरिंग का खनन कराया गया था जिस पर ग्राम के ही ओमप्रकाश पिता ताराचंद यादव द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर ग्रामीणों को पानी भरने से रोका जा रहा है। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को जांच कर समस्या को हल करने के निर्देश दिए।

द्वारका-सोमनाथ तीर्थ यात्रा के लिए 150 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

कलेक्टर ने बस को हरी झंडी दिखाकर की यात्रियों की मंगलमय यात्रा की कामना

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता
धार

मध्यप्रदेश सरकार की अतिमहत्वाकांक्षी और जन-कल्याणकारी 'मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना' के तहत धार जिले के वरिष्ठ एवं पात्र नागरिकों को धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने का सिलसिला निरंतर जारी है।

इसी क्रम में जिले से गुजरात के प्रमुख तीर्थ स्थलों—द्वारका, सोमनाथ एवं मेहसाणा (डाकोर)—की पावन यात्रा के लिए श्रद्धालुओं के विशेष जत्थे को पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ रवाना किया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा और कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने 150 चयनित तीर्थयात्रियों से भरी बसों को हरी झंडी

दिखाकर तीर्थयात्रा के लिए प्रस्थान कराया। प्रस्थान से पूर्व जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने यात्रियों का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया, उनका हालचाल जाना और सभी बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते हुए उनकी सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। यात्रा मंगलवार से प्रारंभ होकर 26 सितंबर तक संचालित की जाएगी। निर्धारित रूट के अनुसार यात्री धार से रतलाम पहुंचेंगे, जहां से वे विशेष तीर्थ दर्शन ट्रेन के माध्यम से गुजरात के प्रमुख धार्मिक स्थलों जैसे भगवान श्री कृष्ण की नगरी द्वारका, प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ और मेहसाणा (डाकोर) में श्री रणछोड़राय जी के दर्शन व पूजन करेंगे। दर्शन लाभ प्राप्त करने के पश्चात सभी श्रद्धालु इसी मार्ग से पुनः रतलाम होते हुए धार लौटेंगे। कलेक्टर राजीव



रंजन मीना ने बताया कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप योजना के अंतर्गत यात्रियों के भोजन, नाश्ता, विश्राम, आवास एवं स्थानीय परिवहन की सभी व्यवस्थाएं पूर्णतः निःशुल्क की गई हैं। सुरक्षा और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए रवाना किया।

परेशानी के बिना हो दर्शन

यात्रा के दौरान किसी भी बुजुर्ग श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो। इसके अलावा तीर्थ दर्शन यात्रा पर जा रहे वृद्ध श्रद्धालुओं के चेहरे पर भगवान के दर्शन करने की खुशी साफ झलक रही थी। यात्रियों ने इस निःशुल्क यात्रा व्यवस्था के लिए मध्यप्रदेश शासन और जिला प्रशासन का सहृदय आभार व्यक्त किया। उनका कहना था कि इस उम्र में बिना किसी आर्थिक व शारीरिक परेशानी के भगवान द्वारकाधीश और सोमनाथ महादेव के दर्शन करने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

कहानी: प्रतिष्ठित आयुर्वेद संस्थान ने लिया आधुनिक स्वरूप

शिक्षा से उपचार तक बदली तस्वीर स्मार्ट शिक्षा से लेकर आधुनिक उपचार तक

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता
बुरहानपुर

बुरहानपुर का पं. शिवनाथ शास्त्री शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय जिले की स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था की पहचान है। वर्ष 1958 में पं. शिवनाथ शास्त्री जी द्वारा स्थापित यह संस्थान छह दशकों से अधिक समय से आयुर्वेद शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहा है। मध्यप्रदेश के पुराने और प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक संस्थानों में शामिल इस महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में अब समय के साथ सुविधाओं का विस्तार कर इसे आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा आयुर्वेद शिक्षा एवं चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ शासकीय संस्थानों में आधुनिक अधोसंरचना, तकनीक और आवश्यक



संसाधनों के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी दिशा में बुरहानपुर के पं. शिवनाथ शास्त्री आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में किए गए विभिन्न विकास कार्यों से शिक्षा से लेकर उपचार तक की व्यवस्था में

उल्लेखनीय बदलाव आया है। पहले महाविद्यालय में विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षण के लिए सीमित संसाधन एवं चिकित्सालय में मरीजों को कई जांच एवं उपचार सुविधाओं के लिए सीमित

विकल्प उपलब्ध थे। शासन के प्रयासों से अब संस्थान की तस्वीर बदली है। महाविद्यालय की सभी कक्षाओं को स्मार्ट क्लास के रूप में विकसित किया गया है। इंटरनेट एवं वाई-फाई सुविधा के साथ इंटरैक्टिव पैनल लगाए गए हैं। वातानुकूलित कक्षाओं एवं डिजिटल लाइब्रेरी से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल रहा है। साथ ही छात्रों को कॉलेज बस आदि की सुविधा भी उपलब्ध है इससे पारंपरिक शिक्षण के साथ आधुनिक तकनीक का समावेश हुआ है।

सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं

आयुर्वेद शिक्षा में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण का विशेष महत्व है। विभिन्न विभागों में आवश्यक यंत्र एवं उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे विद्यार्थियों को विषयों को समझने के साथ-साथ व्यावहारिक

अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए हर्बल गार्डन तैयार किया गया है। ओपन जिम जैसी सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। इससे महाविद्यालय का वातावरण अध्ययन के साथ स्वास्थ्य और शारीरिक गतिविधियों के लिए भी बेहतर हुआ है। मरीजों के लिए उपचार व्यवस्था हुई आसान चिकित्सालय में भी सुविधाओं के विस्तार का असर सीधे मरीजों को मिल रहा है। औषधि वितरण कक्ष का विस्तार किया गया है। ओपीडी पर्वी के लिए ऑनलाइन सॉफ्टवेयर की सुविधा शुरू होने से पंजीयन प्रक्रिया अधिक सुगम और व्यवस्थित हुई है। पंचकर्म चिकित्सा को बेहतर स्वरूप देते हुए वीआईपी पंचकर्म सुविधा शुरू की गई है। फिजियोथेरेपी यूनिट स्थापना के साथ एम्बुलेंस सुविधा भी दी गई है, जिससे मरीजों को उपचार की अतिरिक्त सुविधा मिल रही है।

राष्ट्रीय पोषण माह के तहत जिले में पोषण जागरूकता एवं आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर आयोजित

आंगनवाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों में संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली की दी

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता
नीमच

नवम राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के अंतर्गत जिले में आयुष विभाग द्वारा विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों, टीकाकरण केंद्रों एवं विद्यालयों में पोषण जागरूकता कार्यक्रम तथा आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, किशोरी बालिकाओं, बच्चों एवं विद्यार्थियों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, आहार विविधता, प्रोटीन युक्त भोजन, स्तनपान तथा स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जानकारी दी गई।

शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय पिपलियारावजी द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-2, बर्डिया जागीर में आयोजित कार्यक्रम में “त्योहारों एवं उत्सवों में आंगनवाड़ी केंद्रों पर भोज का आयोजन” थीम के तहत ताजा, विविधतापूर्ण, पौष्टिक, गर्म एवं सुपाच्य भोजन के महत्व की जानकारी दी गई। गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं किशोरी बालिकाओं को विशेष रूप से पोषण, स्तनपान एवं लैक्टेशन के दौरान संतुलित आहार के महत्व के बारे में बताया गया। स्वास्थ्य



शिविर में विभिन्न रोगों के संबंध में परीक्षण एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श के साथ निःशुल्क बीपी जांच तथा आवश्यकतानुसार आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में 39 लाभार्थी शामिल हुए। इसी क्रम में शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय कुंडला द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-2 में पोषण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. बबीता जमरा एवं सोनिया मालवीय ने सेवाएं दीं। शिविर में 45 लाभार्थियों ने लाभ लिया। शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय मनासा द्वारा टीकाकरण केंद्र मनासा में आयोजित पोषण जागरूकता कार्यक्रम में किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को आहार विविधता एवं प्रोटीन युक्त आहार के महत्व की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में 44 लाभार्थी शामिल हुए। यहां डॉ. मदनलाल पाटीदार एवं सुशीला खिंचावत ने सेवाएं दीं। शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय अंबा परलाई द्वारा ग्राम परलाई के आंगनवाड़ी केंद्र में आयोजित पोषण शिविर में डॉ. रोहित जाधव एवं हेमंत व्यास ने सेवाएं दीं, जिसमें 40 लाभार्थी उपस्थित रहे। कदवासा के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-1 में आयोजित शिविर में डॉ. विजय सोलंकी एवं भंवरलाल खराड़ी ने सेवाएं दीं तथा 40 लाभार्थियों ने लाभ लिया। शासकीय आयुष औषधालय जमुनिया कलां द्वारा ग्राम दलावदा के आंगनवाड़ी केंद्र में आयुर्वेद रोग निदान एवं चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. विमला पाटीदार एवं भावना बैरागी ने सेवाएं दीं और 45 लाभार्थी लाभान्वित हुए।

जनसुनवाई में कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने 82 आवेदकों की सुनवाई की

अधिकारियों को दिए निर्देश



स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता
मंदसौर

जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर दिव्यांक सिंह द्वारा जनसुनवाई की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर एकता जायसवाल एवं सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन द्वारा आवेदकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश जारी किए गए। जनसुनवाई के दौरान आए 82 विभिन्न प्रकरणों में संबंधित विभागों के अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश जारी किए गए। ग्राम अनुपुरा निवासी गिरधारी ने पट्टे की भूमि का कब्जा दिलवाने के संबंध में आवेदन

प्रस्तुत किया। जनपद सीईओ मल्हारगढ़ को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। रणायरा निवासी जुवानसिंह ने भूमि का इंद्राज दुरुस्त करवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। एसडीएम मल्हारगढ़ को जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। सिहोर निवासी राकेश ने पट्टे के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर तहसीलदार मंदसौर को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में फीस माफ करवाने, वृद्धा पेंशन चालु करवाने, आवासीय भूमि का पट्टा दिलवाने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाने, फसल बीमा दिलवाने, अनुदान राशि दिलवाने एवं रेतम बैराज डेम भू-अर्जन नवीन निर्माण करवाने जैसे आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान अधिकारी मौजूद थे।

जिले में विभिन्न कार्यालयों में हुई जनसुनवाई, सुनी समस्याएं



स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता
रतलाम

प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के तहत आज जिले में विभिन्न विकेन्द्रीकृत केन्द्रों पर जनसुनवाई आयोजित की गई। प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक आयोजित जनसुनवाई में अधिकारियों ने आमजन की समस्याएं सुनी तथा प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही की। नगर पालिक निगम रतलाम क्षेत्र कार्यालय, रतलाम, जावरा, सैलाना एवं आलोट अनुविभाग कार्यालय तथा बाजना एवं पिपलौदा

विकासखंड कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित हुई। संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा अन्य विभागीय अधिकारियों द्वारा आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं। जनसुनवाई में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, खाद्य, सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, कृषि, विद्युत सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों द्वारा आवेदनों को दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की गई तथा जिन प्रकरणों का निराकरण मौके पर संभव था, उनका निराकरण किया गया। जनसुनवाई में संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों का नियमानुसार निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता
नीमच

कलेक्टर सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 89 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने आवेदकों से उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर संवेदनशीलता, प्राथमिकता एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर चंद्रा ने कहा कि जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए तथा पात्र आवेदकों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक पहल की जाए। जिला स्तर पर निराकरण योग्य प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई कर आवेदकों को राहत पहुंचाने के निर्देश भी दिए। जनसुनवाई में फसल बीमा, त्वरित उपचार, आवास, भूमि एवं अतिक्रमण, पट्टा, राजस्व



अभिलेख, नामांतरण, बंटवारा, पशुपालन ऋण एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। आवेदकों में निरज पट्टा ने नामांतरण आदेश प्रदान करने, शैलेन्द्र सिंह ने मकान का नामांतरण प्रमाण-पत्र जारी करने एवं रिकॉर्ड में नाम सुधारने, श्रीमती शारदा बाई ने रास्ता खुलवाने, नागेश्वर, बद्रीलाल एवं शंभूलाल ने ऑनलाइन रिकॉर्ड अपडेट कर पट्टा दिलाने, कलाबाई एवं संगीता ने अभिलेख दुरुस्ती, बद्रीलाल भाब्वी ने किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने, गोपाल मेघवाल ने शासकीय नाले से

अतिक्रमण हटाने तथा बंशीलाल पाटीदार ने कृषि भूमि के रास्ते से अतिक्रमण हटाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए। वहीं संगीता मालवीय ने पशुपालन के लिए ऋण दिलाने तथा अन्य आवेदकों ने भूमि संबंधी समस्याओं, पक्की नाली निर्माण, विद्युत पोल लगाने एवं त्वरित उपचार जैसी समस्याओं के निराकरण का अनुरोध किया। कलेक्टर चंद्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर प्रभावी एवं परिणाममूलक कार्रवाई की जाए। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

हितग्राहीमूलक योजनाओं में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति करें - कलेक्टर

जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक संपन्न

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

रतलाम

जिले के सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक उनकी बैंकों में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्व-रोजगार एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं के प्रस्तुत प्रकरणों में अवलंबि स्वीकृति जारी कर ऋण वितरण सुनिश्चित करें, कोई भी बैंक शाखा बगैर उचित कारण किसी भी प्रकरण को अनावश्यक लम्बित न रखें, यदि किसीप्रकरण में दस्तावेज की कमी हो तो संबंधित जिला अधिकारी को अवगत कराएं, संबंधित जिला अधिकारी बैंकों से समन्वय संपर्क कर प्रकरण में आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति करवाएंगे। यह निर्देश कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने

मंगलवार की शाम को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक में सभी बैंक शाखाओं के प्रबंधकों और जिलाधिकारियों को दिए।

पूरी सतर्कता के साथ करें काम

बैठक में जिला पंचायत सीईओ बीएस सोलंकी, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्रीकांत सक्सेना सहित रिजर्व बैंक के सहायक प्रबंधक, नाबार्ड के सहायक प्रबंधक तथा जिले की सभी बैंक शाखाओं के प्रबंधकगण तथा जिलाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने शाखा प्रबंधकों को निर्देश दिए कि वे फसल बीमा योजना के तहत पूरी सतर्कता के साथ काम करें और यदि किसी किसान का फसल बीमा प्रीमियम लिया गया है, तो उसका बीमा



अवश्य हो और उसे जरूरत पड़ने पर बीमा क्लेम का भुगतान भी करवाएं। प्रीमियम लेने के बाद बीमा क्लेम के भुगतान की जिम्मेदारी संबंधित बैंक शाखा की ही रहेगी।

निराकरण के निर्देश

यह विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। फसल बीमा क्लेम के बैंकों में लम्बित प्रकरणों का भी त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, संत रविदास स्व-रोजगार योजना, डॉ. भीमराव आर्थिक कल्याण योजना सहित कृषि, उद्यानिकी, उद्योग व अन्य विभागों के माध्यम से संचालित स्व-रोजगार एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं के तहत विभागों द्वारा बैंकों को आवंटित लक्ष्य, विरुद्ध प्रस्तुत प्रकरण, स्वीकृत प्रकरण एवं हितलाभ वितरण की भी बैंक शाखावार, योजनावार विस्तार से समीक्षा की।

डोल ग्यारस धूमधाम से मनाई, शहर के प्रमुख मार्गों से निकली डोल यात्रा

महिलाओं ने की पूजा-अर्चना, मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

बड़वाह

डोल ग्यारस के अवसर पर मंगलवार को नगर में एक साथ चार स्थानों से भगवान कृष्ण का डोला निकाला गया। पुरे नगर में भ्रमण के बाद देर रात्रि तक अपने-अपने मन्दिरों में पहुंचा। शहर में मंगलवार को डोल ग्यारस का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए। श्रीकृष्ण जन्म के अठारहवें दिन माता यशोदा ने उनका जल पूजन किया था।

इसी दिन को डोल ग्यारस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर मुख्य आकर्षण शाम बजे निकली डोल यात्रा रही। डोल यात्रा में भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा को भव्य डोल (पालकी) में सजाया गया और शहर के प्रमुख मार्गों से होकर यह यात्रा निकली। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़े और पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। देर रात्रि तक नगर में आलकी की पालकी-जय हो कन्हैया लाल की के जयघोषों गूंजते रहे। सत्यनारायण मंदिर से शाम को डोला निकाला गया। जो नागेश्वर मंदिर पहुंचा। यहाँ नागेश्वर भगवान की पूजा अर्चना एवं आरती के पश्चात नागेश्वर से एमजी रोड, मुख्य चौराहे से होते हुए देर रात्रि मंदिर परिसर में पहुंचा। 12 बजे मंदिर परिसर में भगवान कृष्ण की महाआरती हुई। सती घाटा स्थित राधाकृष्ण मंदिर-- महंत सुंदर भारती जी महाराज द्वारा मंदिर में डोले की पूजा एवं आरती की गई। उनके सानिध्य में डोला



मंदिर परिसर से तिलक मार्ग, मुख्य चौराहे होते हुए नागेश्वर मन्दिर पर पहुंचा। यहा नागेश्वर भगवान की पूजा-अर्चना के बाद नागेश्वर से झंडा चौक, महात्मा गांधी मार्ग, मुख्य चौराहा, जय स्तंभ चौराहा होते हुए देर रात्रि मंदिर परिसर पहुंचा। इस दौरान युवाजन ढोल की धुन पर थिरकते हुए चल रहे थे। कुछ युवा कलाबाजी करते हुए चल रहे थे। इसके बाद देर रात्रि 12 बजे डोला वापस मंदिर पहुंचा। यहाँ आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। गोपाल मंदिर- गोपाल मंदिर से कृष्ण भगवान के पूजन अर्चन के बाद मंदिर प्रांगण से ढोल ताश के साथ डोला निकाला गया। इस दौरान महंत हनुमान दास जी महाराज भी उपस्थित थे। नागेश्वर से होता हुआ डोला गोंदी पट्टी, गणगौर

घाट पहुंचा। यहाँ कृष्ण भगवान का विश्राम के साथ जलपान एवं पूजन हुआ। विश्राम के बाद डोला जवाहर मार्ग, सुनारपट्टी, झंडा चौक होते हुए वापस गोपाल मंदिर पहुंचा। यहाँ आरती के बाद प्रसादी वितरण हुआ। दशहरा मैदान स्थित जबरेश्वर महादेव मंदिर समिति द्वारा डोल ग्यारस के अवसर पर भगवान कृष्ण का डोला निकाला गया। कृष्ण जी की आरती एवं पूजन के साथ शाम छह बजे डोला मंदिर प्रांगण से बाहर निकला। ढोलो की थाप से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। डीजे की धून पर युवाओं की टोली थिरकते हुए चल रही थी। दशहरा मैदान की विभिन्न गलियों में भ्रमण के बाद डोला देर रात 12 बजे मंदिर परिसर पहुंचा। महाआरती कर प्रसाद बांटा।

अधिकारियों ने किया अध्ययन



स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

विदिशा

जिले में किसानों को उर्वरक वितरण की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल एवं सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से लागू की गई ई-विकास प्रणाली (ई-टोकन व्यवस्था) का छत्तीसगढ़ से आए अधिकारियों के दल ने अध्ययन किया। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा इस व्यवस्था को अपनाने के उद्देश्य से अधिकारियों के दल ने विदिशा जिले के विभिन्न उर्वरक वितरण केन्द्रों का भ्रमण कर ई-विकास

प्रणाली की कार्यप्रणाली को बारीकी से समझा। विदिशा जिले में शासन के निर्देशानुसार 1 अक्टूबर 2025 से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ई-विकास प्रणाली लागू की गई थी। जिले में इसके सफल संचालन के बाद 1 जनवरी 2026 से यह व्यवस्था पूरे मध्यप्रदेश में लागू की गई। ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण की प्रक्रिया में किसानों को टोकन आधारित सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, जिससे उर्वरक प्राप्त करने के लिए किसानों को अनावश्यक रूप से कतार में खड़े रहने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

जनसुनवाई में 93 आवेदकों ने रखी अपनी समस्याएं

कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

आगर मालवा

कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय मे जनसुनवाई की। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 93 आवेदकों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर डॉ. मीना ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को सौंपते हुए नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में काना निवासी चिपिया ने किसान सम्मान निधि में नाम जुड़वाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। ग्राम बर्डा बरखेड़ा निवासी अलीमन बी ने शामिल खाते की भूमि का बंटवारा करवाए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। इसी प्रकार ग्राम मोड़ी निवासी उमा पाटीदार ने अपनी भूमि पर अन्य व्यक्तियों द्वारा किए गए कब्जे को हटवाकर भूमि का



कब्जा दिलाए जाने के संबंध में आवेदन दिया। प्रकरण में कलेक्टर ने एसडीएम सुसनेर को मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने राजस्व, भूमि, पेंशन, किसान हित, रास्ता विवाद, शासकीय योजनाओं सहित अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने

प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का सकारात्मक निराकरण करने के आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में जिला पंचायत के सीईओ बी.एस. सोलंकी, अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद थे।

सिंगल खबरें...

चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता संपन्न



स्वतंत्र लोकतंत्र। आगर मालवा। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, आगर मालवा में सेवा संकल्प अभियान के तहत चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजित की गई। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विकसित भारत की संकल्पनाओं को अपनी रचनात्मकता एवं विचारों के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने विकसित भारत के निर्माण में तकनीकी एवं तकनीकी शिक्षा के महत्व को भी प्रभावी ढंग से रेखांकित किया। चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न चित्रों के माध्यम से विकसित भारत की कल्पना, तकनीकी प्रगति एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को दर्शाया। प्रतियोगिता में इलेक्ट्रॉनिक द्वितीय वर्ष के छात्र विशाल सूर्यवंशी प्रथम स्थान पर, कम्प्यूटर साइंस तृतीय वर्ष के छात्र मोहित गौड़ द्वितीय स्थान पर तथा कम्प्यूटर साइंस द्वितीय वर्ष की छात्रा प्राची परमार तृतीय स्थान एवं इलेक्ट्रॉनिक तृतीय वर्ष के छात्र अंशुल सिरोलिया संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। इसी क्रम में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विकसित भारत के निर्माण, तकनीकी विकास एवं युवाओं की भूमिका विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। भाषण प्रतियोगिता में कम्प्यूटर साइंस तृतीय वर्ष के छात्र भविष्य शर्मा प्रथम स्थान पर, तृतीय वर्ष के छात्र अनुराग मालवीय द्वितीय स्थान पर तथा सीविल तृतीय वर्ष की छात्रा शानू भेरिया तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मक अभिव्यक्ति, राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूकता तथा तकनीकी ज्ञान के महत्व को समझने की भावना को प्रोत्साहित किया गया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

23 को विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

स्वतंत्र लोकतंत्र। आगर मालवा। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना के निर्देशन में 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयुष विभाग, आगर-मालवा द्वारा 23 सितम्बर को विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। प्रभारी जिला आयुष अधिकारी डॉ. प्रमोद तिवारी ने बताया कि यह शिविर प्रातः 10 बजे से शिविर समाप्ति तक पुरानी कृषि उपज मंडी परिसर आगर में आयोजित होगा। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श प्रदान किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण भी किया जाएगा।

गणेशोत्सव में सजा बड़वानी, कहीं महलनुमा पंडाल तो कहीं सीता स्वयंवर और नृसिंह अवतार ने मोहा मन

रानीपुरा की वल्लभ मित्र मंडल झांकी और कालिका माता मंदिर की धार्मिक प्रस्तुतियां बनीं आकर्षण

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

बड़वानी

गणेशोत्सव के चलते शहर में धार्मिक आस्था के साथ कला और संस्कृति का रंग भी गहराता जा रहा है। अलग-अलग क्षेत्रों में सजे आकर्षक पंडाल और धार्मिक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। एमजी रोड पर विघ्नहर्ता यूनिटी का महलनुमा पंडाल, रानीपुरा राजवाड़ा में वल्लभ मित्र मंडल की झांकी, कालिका माता मंदिर में नृसिंह अवतार का नृत्य-नाट्य और बड़वानी धरोहर में सीता स्वयंवर का मंचन दर्शकों को खासा आकर्षित कर रहा है।

एमजी रोड पर विघ्नहर्ता यूनिटी ने इस वर्ष महल के स्वरूप का भव्य पंडाल तैयार किया है। समिति करीब सात वर्षों से गणेशोत्सव मना रही है। सोमवार को यहां सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। वहीं रानीपुरा राजवाड़ा में वल्लभ मित्र मंडल करीब 13 वर्षों से गणेश पंडाल और झांकी का आयोजन कर रहा है। मंडल में करीब 50 से 60 सदस्य जुड़े हैं।



पाला बाजार स्थित मां कालिका माता मंदिर में करीब 10 वर्ष बाद फिर गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। सोमवार को भावेश डांस ग्रुप ने

नृसिंह अवतार पर आधारित नृत्य-नाट्य प्रस्तुत किया। कलाकारों ने प्रह्लाद, हिरण्यकश्यप और भगवान नृसिंह से जुड़े प्रसंगों को अभिनय



और नृत्य के माध्यम से मंच पर जीवंत किया। आगामी कार्यक्रमों में 22 सितंबर को द्वैपदी चौरहरण और 23 सितंबर को वीरभद्र-शिवशक्ति की प्रस्तुति होगी।

बड़वानी धरोहर में सीता स्वयंवर ने बांधा समां

झंडा चौक स्थित बड़वानी धरोहर में सोमवार

को सीता स्वयंवर का मंचन हुआ। इसके बाद राहुल निमाड़े की रॉकर डांस क्लास के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में सांसद गजेंद्र सिंह पटेल का समिति ने स्वागत किया। नगर पालिका अध्यक्ष अश्विनी निक्कू चौहान ने गणेश आरती की। धरोहर में 25 सितंबर तक रात 8 से 12 बजे तक विभिन्न कार्यक्रम होंगे।

3 अक्टूबर को होगी भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा, जिलेभर से हजारों विद्यार्थी होंगे शामिल

गायत्री परिवार का नैतिक शिक्षा अभियान

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

बड़वानी

अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन 3 अक्टूबर को दोपहर 12 से 1 बजे तक किया जाएगा। परीक्षा में जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 5वीं से 12वीं तक के हजारों विद्यार्थी शामिल होंगे।

जिला संयोजक भागीरथ भावर ने बताया कि परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति ज्ञान प्रसार की पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। परीक्षा शांतिकुंज से प्राप्त प्रश्नपत्रों के आधार पर ओएमआर शीट पर आयोजित होगी। महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए संस्कृति दर्पण पुस्तक के माध्यम से ज्ञान अर्जित करने की व्यवस्था की गई है। परीक्षा के लिए विद्यार्थियों का नामिनल रोल शीघ्र जमा कराया जाएगा, जिसके आधार पर प्रश्नपत्र और ओएमआर शीट की मांग



शांतिकुंज को भेजी जाएगी। जिला सचिव संजय शिरोडे ने बताया कि परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्कूली शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों, सांस्कृतिक चेतना, संवेदनशीलता और सद्गुणों का विकास करना है। जिला समन्वयक विक्रम जमरे ने बताया कि जन्म शताब्दी वर्ष को ध्यान में रखते हुए जिले के अधिक से

अधिक विद्यालयों में परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा संचालन में गायत्री शक्ति पीठ, प्रज्ञापीठ, चेतना केंद्र, ब्लॉक समन्वयक और विद्यालय परिवार सहयोग करेंगे। गायत्री परिजन विद्यालयों में पहुंचकर पुस्तकें एवं नामिनल रोल उपलब्ध कराने के साथ विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

अलाइनमेंट को मंजूरी, DPR अंतिम चरण में

स्वतंत्र लोकतंत्र। खरगोन। बहुप्रतीक्षित आलीराजपुर से खंडवा रेल लाइन परियोजना को बड़ी सफलता मिली है। 6.25 करोड़ रुपये की लागत से झेन और जमीनी सर्वे का काम पूरा हो गया है और 2-3 सितंबर 2026 को रेल मंत्रालय ने इसके प्रारंभिक अलाइनमेंट को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। ताप्ती नर्मदा रेलवे लाइन संघर्ष समिति के दामोदर अग्रवाल ने बताया कि अब वडोदरा में सभी दस्तावेज जुटाकर DPR तैयार कर रेलवे बोर्ड को भेजी जा रही है, जिसके बाद बजट आवंटन होगा। PMO के हस्तक्षेप के बाद इसे Gati Shakti के तहत फास्ट-ट्रैक किया जा रहा है। 231 किमी लंबी यह लाइन आलीराजपुर के सैजा स्टेशन से शुरू होकर खंडवा के पास बड़गांव गुर्जर में मुंबई मेन लाइन से जुड़ेगी। इससे 5 जिलों - आलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा के 120 गांवों को लाभ होगा। प्रमुख प्रस्तावित स्टेशन आलीराजपुर, नानपुर, कुक्षी, तलवाड़ा, बोरलाय (नर्मदा पर बड़ा पुल), राजपुर, जुलवानिया, खरगोन, भीकनगांव आदि हैं। परियोजना पूरी होने पर खंडवा से बड़ोदा की दूरी 200 किमी कम हो जाएगी और पूरा आदिवासी निमाड़ पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़ेगा।

एसपी ने सुनीं आमजन की समस्याएं

स्वतंत्र लोकतंत्र। बड़वानी। आमजन की शिकायतों के त्वरित और पारदर्शी निराकरण के लिए बड़वानी पुलिस की साप्ताहिक जनसुनवाई को वर्चुअल स्वरूप दिया गया है। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल ने एसपी कार्यालय से ऑनलाइन जनसुनवाई करते हुए जिलेभर से जुड़े आवेदकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान जिले के एसडीओपी, थाना प्रभारी और चौकी प्रभारी भी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे। जनसुनवाई में प्राप्त 5 शिकायतों को पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को ऑनलाइन हस्तांतरित करते हुए निर्धारित समय-सीमा में जांच और कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए। शिकायतों में भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, लड़ाई-झगड़े तथा महिला संबंधी मामले शामिल रहे। शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक देरी नहीं हो और आवेदकों को बार-बार पुलिस कार्यालय या थाने के चक्कर न लगाने पड़ें। महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और संवेदनशील मामलों को प्राथमिकता से लेते हुए वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

कालिका माता मंदिर के पास शराब दुकान हटाने की मांग तेज, जनसुनवाई में पहुंचा मामला

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

बड़वानी

पाला बाजार स्थित कालिका माता मंदिर के समीप संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग अब एक बार फिर प्रशासन के सामने पहुंची है। मंगलवार को जिला कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में क्षेत्र के रहवासियों ने समाजसेविका पिकी गुप्ता के नेतृत्व में आवेदन सौंपकर दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग रखी।

रहवासियों का कहना है कि मंदिर के समीप शराब दुकान संचालित होने का मामला पिछले करीब दो वर्षों से लगातार अधिकारियों के समक्ष उठाया जा रहा है। आवेदन और निवेदन के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से क्षेत्रवासियों में नाराजगी बनी हुई है। उनका कहना है कि दुकान के कारण आसपास के रहवासियों को विभिन्न परेशानियों का सामना



करना पड़ रहा है। जनसुनवाई में पिकी गुप्ता के साथ हेमंत कुमावत, यशवंत सुलताने, उषा सुलताने, संतोष मुलेवा, अमित दुबे, यश और सुनील सहित अन्य रहवासी पहुंचे। उन्होंने प्रशासन से कालिका माता मंदिर के पास संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग करते हुए आवेदन दिया। रहवासियों ने कहा कि लंबे

समय से मामला उठाने के बाद भी समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि उनकी मांग पर सुनवाई नहीं हुई तो क्षेत्रवासी आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। अब जनसुनवाई में दिए गए आवेदन के बाद रहवासियों की नजर प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर है।

पात्र गुरुकुल स्कूल: संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता में होंगे शामिल विद्यार्थी

10 छात्राओं का संभाग स्तर पर हुआ चयन

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

बड़वाह

पात्र गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने खेल क्षेत्र में अद्भुत प्रदर्शन किया और विद्यालय का गौरव बढ़ाया। हाल ही में आयोजित जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय के विद्यार्थियों का चयन संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए किया गया है। विद्यालय की 10 छात्राओं का विभिन्न आयु वर्गों में संभाग स्तर पर चयन हुआ है।

इन चयनित छात्राओं में प्रियांशी वर्मा, रिया मोर्य, हितेपी पाटिल, मयूरी सेप्ता, 14 वर्ष वर्ग में नम्रता परिहार, शिवी गोयल, राशी काग, 17 वर्ष वर्ग में नम्रता हम्मड़, दीया अग्रवाल एवं जया गेहलोत का 19 वर्ष वर्ग हेतु चयन हुआ है। इसके साथ ही विद्यालय के यू -17 वर्ग के दो विद्यार्थियों का भी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में चयन हुआ है। जिसमें कार्तिक गुर्जर एवं आशुतोष पांडे का नाम शामिल है। संस्था के वॉलीबॉल कोच पीयूष ठाकुर, जयदीप जैन एवं कबड्डी कोच अजय कोठे ने बताया कि अब यह खिलाड़ी 23 सितंबर को इंदौर में आयोजित संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर खरगोन जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।



विद्यालय प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जिला स्तर की इतनी प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन यह दर्शाता है, कि विद्यालय में खेल प्रतिभाओं को निरंतर प्रोत्साहन और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर संचालकद्वय प्रवीण पारख एवं किरण पारख, अकादमिक डायरेक्टर आदित्य पारख एवं समीक्षा पारख, प्राचार्य पुरुषोत्तम राव येले, उपप्राचार्य योगेन्द्र मंडलोई एवं दीपक सक्सेना, पी.आर.ओ. क्षितिज दुबे, स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट हेड अमजद खान सहित समस्त पात्र

गुरुकुल परिवार सदस्यों ने समस्त खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने आश्चर्य किया कि विद्यार्थियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक ले जाने के लिए हर संभव अवसर, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता रहेगा। पात्र गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल का विश्वास है कि जीत केवल पदक तक सीमित नहीं होती, बल्कि प्रत्येक प्रतियोगिता विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, धैर्य, टीम भावना और रणनीतिक सोच का विकास करती है। यही मूल्य भविष्य के विजेताओं का निर्माण करते हैं।

26 को कलशाभिषेक एवं स्वर साधक सम्मान समारोह

निमाड़ के स्वर साधकों का होगा सम्मान

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

सनावद

पर्युषण पर्व एवं दस लक्षण धर्म के समापन अवसर पर शनिवार, 26 सितंबर 2026 को ओंकारबाग जैन धर्मशाला, मोरटक्का में कलशाभिषेक एवं विभिन्न धार्मिक एवं सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। आयोजन में भगवान जिनेंद्र का पूजन, कलशाभिषेक, ध्वजारोहण सहित निमाड़ क्षेत्र के स्वर साधकों के सम्मान का कार्यक्रम होगा।

ओंकार बाग के मंत्री आशीष चौधरी ने बताया कि समारोह का विशेष आकर्षण “कासलीवाल स्मृति स्वर साधना सम्मान” रहेगा। इसमें संपूर्ण निमाड़ के गायन-वादन से जुड़े स्वर साधकों को स्व. देवकुमारसिंहजी कासलीवाल, स्व. अजितकुमारसिंहजी कासलीवाल एवं स्व. प्रदीपकुमारसिंहजी कासलीवाल की स्मृति में सम्मानित किया जाएगा। सम्मान समारोह में स्वर साधकों को प्रत्यक्ष रूप से सम्मान प्रदान किया जाएगा। दोपहर 1:30 बजे कलश यात्रा, 2 बजे संगीतमय श्री जिनेंद्र पूजन, 3 बजे स्वर साधक सम्मान समारोह, 4 बजे श्रीजी का कलशाभिषेक तथा शाम 5 बजे ध्वजारोहण होगा। इसके बाद 5:15 बजे वात्सल्य भोज और शाम 6 बजे मंगल आरती एवं सम्मानित स्वर साधकों द्वारा भक्ति का आयोजन रखा

गया है। इस अवसर पर “विशेष विद्वत् एवं सेवा सम्मान” के अंतर्गत दस लक्षण धर्म एवं पर्युषण पर्व के दौरान निमाड़ के ग्राम-नगरों में प्रवचनार्थ पधारे ब्रह्मचारी भैया, ब्रह्मचारिणी दीदी, प्रवचनकार विद्वज्जनों एवं समाज प्रमुख प्रशासनिक अधिकारियों एवं विशिष्टजनों को भी सेवा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। श्री रायबहादुर सेठ ओंकारजी कस्तूरचंदजी धार्मिक एवं पारमार्थिक संस्थाओं के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, मंत्री आशीष चौधरी, कोषाध्यक्ष आदित्य कासलीवाल, कार्यक्रम समन्वयक राजेन्द्र जैन “महावीर” प्रबंधक राकेश जैन सहित आयोजन समिति ने समाजजनों से कार्यक्रम में सहभागिता का आग्रह किया है।

स्पर्धा का आयोजन

पॉलिटेक्निक बैडमिंटन क्लब के तत्वावधान में एकदिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 60 और 40 आयु वर्ग और ओपन वर्ग में खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। 60 और 40 आयु वर्ग में विजेता का खिताब देवास की संजय सिंह और प्रयास राजनीकी जोड़ी ने हासिल किया। उपविजेता सनावद के चन्द्रगुप्त प्रकोल्य और संजय पाटीदार रहे। ओपन वर्ग में भोपाल की शिवांश और यशपाल की जोड़ी विजेता रही।

27 से शुरू होगा आंदोलन TET के विरोध में शिक्षकों का भोपाल में अनिश्चितकालीन धरना

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

खरगोन

TET की अनिवार्यता समाप्त करने, प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना कर ग्रेजुटी, अवकाश नगदीकरण एवं अन्य वित्तीय स्वत्वों तथा पेंशन का लाभ देने और ई-अटेंडेंस व्यवस्था समाप्त करने की मांग को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा द्वारा 27 सितंबर से भोपाल में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

मोर्चा के प्रभुराम मालवीया, अमित शर्मा, अतीक खान, दिनेश पटेल, ग्यारसीलाल पटेल, विनोद पंडित, भारत डावर, गोपीचंद सहित, अर्चना गुप्ता, प्रियंका चौहान, माया चौहान, सुनीता पूरे ने बताया कि यह

निर्णय भोपाल में आयोजित प्रांतीय बैठक में लिया गया। धरना संभाग वार होगा। 27 सितंबर रविवार को भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग, 28 सितंबर सोमवार को जबलपुर संभाग, 29 सितंबर मंगलवार को ग्वालियर एवं चंबल संभाग, 30 सितंबर बुधवार को उज्जैन संभाग, 01 अक्टूबर गुरुवार को रीवा एवं शहडोल संभाग, 2 अक्टूबर शुक्रवार गांधी जयंती विशेष उपवास कार्यक्रम में इंदौर संभाग के खरगोन, इंदौर, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, बड़वानी, खण्डवा, बुरहानपुर जिले के शिक्षक शामिल होंगे। 3 अक्टूबर को सागर संभाग के शिक्षक शामिल होंगे। मांगों का निराकरण नहीं होने पर धरना इसी क्रम में जारी रहेगा। गांधी जयंती के दिन ब्लॉक एवं जिला मुख्यालय पर म.प्र. के समस्त शिक्षक उपवास रखकर आंदोलन करेंगे।

सहायक आयुक्त ने किया छात्रावास का निरीक्षण, बच्चों की पढ़ाई पर दिया विशेष जोर

शौचालय, अध्ययन कक्ष तथा परिसर की साफ-सफाई का किया अवलोकन

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

भीकनगांव

सहायक आयुक्त कविता आर्य द्वारा राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह सीनियर उत्कृष्ट बालक छात्रावास भीकनगांव, बालक छात्रावास बमनाला, कन्या उत्कृष्ट छात्रावास भीकनगांव, जूनियर कन्या छात्रावास पिपराड का आकास्मिक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त ने छात्रावास की संपूर्ण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने शयन कक्ष, रसोईघर, भोजन व्यवस्था, शौचालय, अध्ययन कक्ष तथा परिसर की साफ-सफाई का अवलोकन किया। सहायक आयुक्त महोदय ने सबसे ज्यादा जोर बच्चों की पढ़ाई पर दिया। उन्होंने कक्षा 10वीं



एवं 12वीं बोर्ड के छात्रों से अलग से चर्चा की और उनके सिलेबस, तैयारी एवं कठिन विषयों के बारे में पूछा। रोज 3 घंटे अनिवार्य अध्ययन करें मोबाइल से दूरी बनाए रखें। अधीक्षक को निर्देश दिए कि बोर्ड कक्षाओं के लिए अतिरिक्त क्लास, टेस्ट सीरीज और रात्रिकालीन अध्ययन की व्यवस्था सुनिश्चित करें कमजोर छात्रों की

अलग से सूची बनाकर उन्हें विशेष मार्गदर्शन देने को कहा। बच्चों को लक्ष्य तय कर पढ़ाई करने और उत्कृष्ट परिणाम लाने हेतु प्रेरित किया। छात्रों ने बताया कि भोजन गुणवत्तापूर्ण व समय पर मिल रहा है। इस अवसर पर छात्रावास प्रभारी शैलेंद्र सोनवानी, अधीक्षक योगेश बोरयाले, मनोज मोरे मौजूद थे।

बैकवाटर बढ़ा तो फिर काम आ रहा ‘लक्ष्मण झूला’, रास्ते डूबे तो ग्रामीणों ने संवारा पुल

पिछले साल बनाया था 80 से 90 फीट लंबा रस्सी पुल, पानी बढ़ते ही मरम्मत कर फिर शुरू किया आवागमन

स्वतंत्र लोकतंत्र | संवाददाता

बड़वानी

नर्मदा बैकवाटर का जलस्तर बढ़ने के साथ राजघाट के समीप स्थित कुकरा गांव के संपर्क मार्ग प्रभावित होने लगे हैं। पानी बढ़ने से मुख्य मार्ग तक पहुंचने में परेशानी हुई तो पिछले वर्ष ग्रामीणों द्वारा तैयार किया गया 80 से 90 फीट लंबा रस्सी का झूलता पुल एक बार फिर उपयोग में आ गया।

बैकवाटर बढ़ने के बाद ग्रामीणों ने पुराने पुल की मरम्मत कर इसे दोबारा आवाजाही के लिए शुरू कर दिया है। कुकरा गांव के चार-पांच परिवारों के ग्रामीणों ने पिछले वर्ष सामूहिक प्रयास से यह अस्थायी पुल तैयार किया था।



रस्सियों, लकड़ी के तख्तों और लोहे की चादरों से बने पुल के दोनों सिरों को किनारों पर मौजूद मजबूत पेड़ों से बांधा गया है। इस बार जलस्तर

बढ़ने के बाद ग्रामीणों ने पुल की स्थिति देखी और जरूरी हिस्सों की मरम्मत कर इसे फिर उपयोग में ले लिया। मंगलवार को नर्मदा बैकवाटर का जलस्तर 137.80 मीटर तक पहुंच गया, जबकि उच्च जलस्तर 138.38 मीटर बताया गया है। जलस्तर बढ़ने के कारण कुकरा को मुख्य भूमि से जोड़ने वाले कुछ रास्ते प्रभावित हुए हैं। ऐसे में यह अस्थायी पुल कुकरा और जागीरदारपुरा नवीन घाट के बीच संपर्क बनाए रखने में मदद कर रहा है। रस्सी पुल से ग्रामीण खेतों तक पहुंचने के साथ जरूरी सामान के लिए मुख्य मार्ग तक आवाजाही कर पा रहे हैं। बैकवाटर क्षेत्र में प्रशासन की ओर से बोट की व्यवस्था भी की गई है, लेकिन स्थानीय आवागमन के लिए ग्रामीणों ने पुराने पुल को फिर तैयार कर लिया है।